

प्रो. अम्लान दास गुप्ता, कोलकाता के जाधवपुर विश्वविद्यालय में अंग्रेजी के प्राचार्य हैं। स्कूल ऑफ कल्चरल टेक्स्ट्स एण्ड रिकार्ड्स के निदेशक के तौर पर कार्य करते हुए इन्होंने उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत का एक विशद संग्रह तैयार किया है।

पण्डित राजशेखर मंसूर विख्यात संगीत विशारद पण्डित मल्लिकार्जुन मंसूर के सुपुत्र एवं शिष्य हैं तथा उस्ताद अल्लादिया खान द्वारा स्थापित जयपुर अतरौली घराना के मुख्य गायक हैं, जिनको केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी से सम्मानित किया गया है।

इरफान जुबैरी नाद सागर आर्काइव्ज़ एण्ड डॉक्यूमेंटेशन सोसायटी फॉर साउथ एशियन म्यूज़िक में प्रमुख अनुसंधान अधिकारी हैं। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से इन्होंने संगीत के समाजशास्त्र में एम.फिल. उपाधि प्राप्त की है और ये स्वर्गीय उस्ताद रहीम फहीमुद्दीन डागर के शिष्य भी हैं।

उस्ताद मोहम्मद अहमद वारसी नसीरी क़वाल देश के इस विधा के ख्याति प्राप्त क़वालों में अग्रगण्य हैं और देश भर में सूफी दरगाहों में पारम्परिक गायन तथा मंच-गायन के लिए आमंत्रित किए जाते हैं।

Prof. Amlan Das Gupta is Professor of English, Jadavpur University, Kolkata. In his role as Director, School of Cultural Texts and Records, he has built an archive of North Indian classical music.

Irfan Zuberi is Chief Research Officer, NaadSaagar Archives & Documentation Society for South Asian Music. He received his M.Phil in sociology of music from Delhi School of economics and is a student of the late Ustad Rahim Fahimuddin Khan Dagar.

R. S. V. P.: 09999016815, 011-23388423



इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र

एवं

नाद सागर आर्काइव्ज़ एण्ड डॉक्यूमेंटेशन

सोसायटी फॉर साउथ एशियन म्यूज़िक

शास्त्र एवं प्रयोग

कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित व्याख्यान तथा प्रस्तुति में

आपको सादर आमन्त्रित करते हैं।

Indira Gandhi National Centre for the Arts

&

NaadSaagar Archives and
Documentation Society for South Asian Music
cordially invites you to the

Śāstra & Prayoga Programme

to be held on

4 -5 February, 2013

स्थान-इ. गाँ. रा. क. केन्द्र सभागार, सी.वी. मैस, जनपथ, नई दिल्ली-110001

Venue: Auditorium, IGNCA,

C. V. Mess, Janpath, New Delhi-110 001



A Central Sangeet Natak Akademi awardee, **Pandit Rajshekhar Mansur** is the son and disciple of the illustrious Pandit Mallikarjun Mansur and a leading vocalist of the Jaipur-Atrauli Gharana set up by Ustad Alladiya Khan.

Monday, 4 February, 2013

5pm: Illustrated presentation on **Ustad Alladiya Khan and the Jaipur-Atrauli Gharana** by Prof. Amlan Das Gupta

6pm: Hindustani Classical Vocal recital by Pandit Rajshekhar Mansur

7:30pm: Tea



Ustad Mohammed Ahmed Warsi Nasiri Qawwal is among the leading performers of the genre in the country and is sought after for stage performances as well as traditional offerings at Sufi shrines across the country.

Tuesday, 5 February, 2013

5pm: Illustrated presentation on **The tradition of Khanaqahi Qawwali** by Irfan Zuberi

6pm: Qawwali performance by Ustad Mohammed Ahmed Warsi Nasiri Qawwal & Group

7:30pm: Tea